



संस्कृति विभाग  
उत्तर प्रदेश सरकार, भारत



# आमंत्रण

## होली परिक्रमा मेला महोत्सव

मिश्रित नैमिषारण्य - 2026

प्रतिष्ठा में,  
श्रीयुत्

-----  
-----  
-----

प्रेषक

होली परिक्रमा मेला महोत्सव समिति  
मिश्रित - नैमिषारण्य, सीतापुर, उत्तर प्रदेश



संस्कृति विभाग  
उत्तर प्रदेश सरकार, भारत



नरेन्द्र मोदी  
माननीय प्रधानमंत्री



योगी आदित्यनाथ  
माननीय मुख्यमंत्री

## चौरासी कोसीय होली परिक्रमा मेला मिश्रित - नैमिषारण्य तीर्थ

# Naimisharanya

The Supernatural Abode of Knowledge, Penance and Salvation!

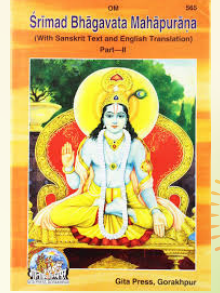
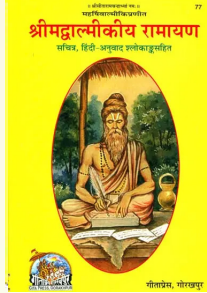
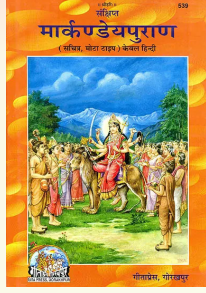
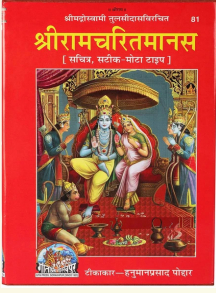


Uttar Pradesh

UTTAR PRADESH TOURISM  
U.P. nahi dekha, toh kuch nahi dekha.



## Verses in Ancient Holy Scriptures about Naimisharanya



- **Shri Ramcharitmanas** – Goswami Tulsidas mentions the holy place of Naimisharanya, thereby demonstrating the greatness of the place.

तीर्थ वर नैमिष विख्याता ।  
अति पुनीत साधक सिद्धि दाता ॥

Naimisharanya is the place where every sincere seeker will get the blessings of the divine.

- **Brahmanda Purana** – In Sanskrit the edges of the circle are called 'Nemi', and the forest is called 'Aranya'. That is why the name is Naimisharanya.

एतन्मनोभवं चक्रं मया सृष्टं विसृज्यते ।  
यत्रास्य नेमिः शीर्यते स देशस्तपसः शुभः ॥

This cycle of the mind, created by Me, is being released where 'Nemi' falls and is an auspicious place for austerities.

- **Markandeya Purana** – Naimisha is considered the place of awakened penance in 'Markandeya Purana', because it is said that even today, 88,000 sages are performing rituals, chanting, doing penance, meditating, and during sadhana in the forests of Naimish. This cannot be seen but is felt by every awakened devotee who comes to Naimisharanya. Naimisha Tirtha is mentioned frequently in this Purana.

- **Valmiki Ramayana** – 'Naimish', is where Lord Ram performed the Ashwamedha Yagya on river Gomti. Lord Ram appointed Lakshman and other sages to guard the horses for Yagya and set out for Naimisharanya with his army.

यज्ञवाटश्च सुमहान् गोमत्या नैमिषे वने ।  
आज्ञाप्यतां महाबाहो तद्धि पुण्यमनुत्तमम् ॥

On the Banks of Gomti there lies the sacred forest of Naimish. O mighty-armed one, you can command it. It is for the most pious one.

- **Satyanarayana Katha** – The pious and holy Katha of Satya Narayana originated from the sacred land of Naimisharanya, which begins with the mention of Naimisharanya.

एकदा नैमिषारण्ये ऋषयः शौनकादयः ।  
प्रपच्छुर्मुनयः सर्वे सूतं पौराणिकं खलु ॥

Once in Naimisharanya, the holiest region of Lord Vishnu and the Gods, sages like Shaunaka performed a great sacrifice that would be completed in a thousand years with the desire to attain the Lord.

- **Srimad Bhagavat Mahapurana** – In the first Skanda Naimisharanya is mentioned. In the 'Kurma Purana', which describes it as famous in all three worlds.

इदं त्रैलोक्य विख्यातं, तीर्थं नैमिषमुत्तमम् ।  
महादेव प्रियकरं, महापातकनाशनम् ॥

This is famous in the three worlds and of the holiest place is Naimisha. Naimish is the place where you have the Divine and destroys your biggest sins.

- **Sri Devi Bhagavat** – 'Pushkar' and 'Chakratirtha', the two important religious sites of Naimisharanya are mentioned in Sri Devi Bhagavat. Devotees also believe that the pilgrimage to Badrinath and Kedarnath Dham is complete only after the final pilgrimage to Naimisharanya.

सतयुगे नैमिषारण्ये त्रेतायाम् च पुष्करे ।  
द्वापरे कुरुक्षेत्रे कलौ गंगा प्रवर्तते ॥

The forests of Naimisharanya in Satyug, Lake Pushkar in Treta Yug, Kurukshetra in Dwapar Yug, and River Ganga in Kalyug have particular importance because this is where human beings shall attain salvation.

Due to such extraordinary greatness, Naimisharanya is recognised everywhere as a glorified pilgrimage site. For this reason, many devotees from far and wide come here for darshan every year.



संस्कृति विभाग  
उत्तर प्रदेश सरकार, भारत



# सांस्कृतिक एवं पारम्परिक कार्यक्रम



दिनांक  
08.03.2026

कार्यक्रम का नाम  
भजन संध्या

कलाकार/ग्रुप का विवरण  
सुश्री स्वाति मिश्रा एवं श्री हेमन्त बृजवासी



दिनांक  
09.03.2026

कार्यक्रम का नाम  
जय श्री कृष्णा - गीता सार

कलाकार/ग्रुप का विवरण  
श्री पुनीत इस्सर व समूह



दिनांक	कार्यक्रम का नाम	कलाकार/ग्रुप का विवरण		
10.03.2026	कथक नृत्य	डॉ० प्रियंका एवं डॉ० प्रेरणा व समूह		
	कवि सम्मेलन	श्री सुरेन्द्र शर्मा	हास्य	दिल्ली
		श्रीमती शशि श्रेया	गीत/गजल	बाराबंकी
		श्रीमती सपना सोनी	श्रृंगार	दौसा
		श्री रमेश विश्वहार	गीत	रायपुर
		श्री शशिकांत यादव	ओज (संचा)	देवास
		श्री विनीत चौहान	ओज	अलवर
		श्री प्रताप फौजदार	हास्य	मुम्बई
		श्री मोहन मुंतजिर	गीत/गजल	नैनीताल
		श्री दमदार बनारसी	हास्य	बनारस
		श्री राम भदावर	ओज	इटावा
		श्री जगदीप शुक्ला 'अंचल'	ओज	मिश्रिख
श्री जगजीवन मिश्र	गीत/लोकगीत (संयोजक)	मिश्रिख		



संस्कृति विभाग  
उत्तर प्रदेश सरकार, भारत



# होली परिक्रमा मेला महोत्सव, मिश्रित-नैमिषारण्य - 2026

## महोत्सव के मुख्य आकर्षण



08-03-2026  
भजन गायन

**सुश्री स्वाति मिश्रा**



08-03-2026  
भजन गायन

**श्री हेमन्त बृजवासी**



09-03-2026  
जय श्री कृष्णा - गीता सार

**श्री पुनीत इस्सर व समूह**



10-03-2026  
कवि सम्मेलन

**श्री सुरेंद्र शर्मा**





संस्कृति विभाग  
उत्तर प्रदेश सरकार, भारत



# सम्मेलन



आशा कार्यकर्त्रतियां

08.03.2026  
आशा सम्मलेन  
11 बजे से



स्वयं सहायता

08.03.2026  
स्वयं सहायता सम्मलेन  
12 बजे से



किसान

कृषि उन्नति

09.03.2026  
किसान सम्मलेन  
11 बजे से



शिक्षा प्रदान

09.03.2026  
शिक्षक सम्मलेन  
12 बजे से



आंगनबाड़ी

बाल विकास

10.03.2026  
आंगनबाड़ी सम्मलेन  
11 बजे से



उद्योग समले

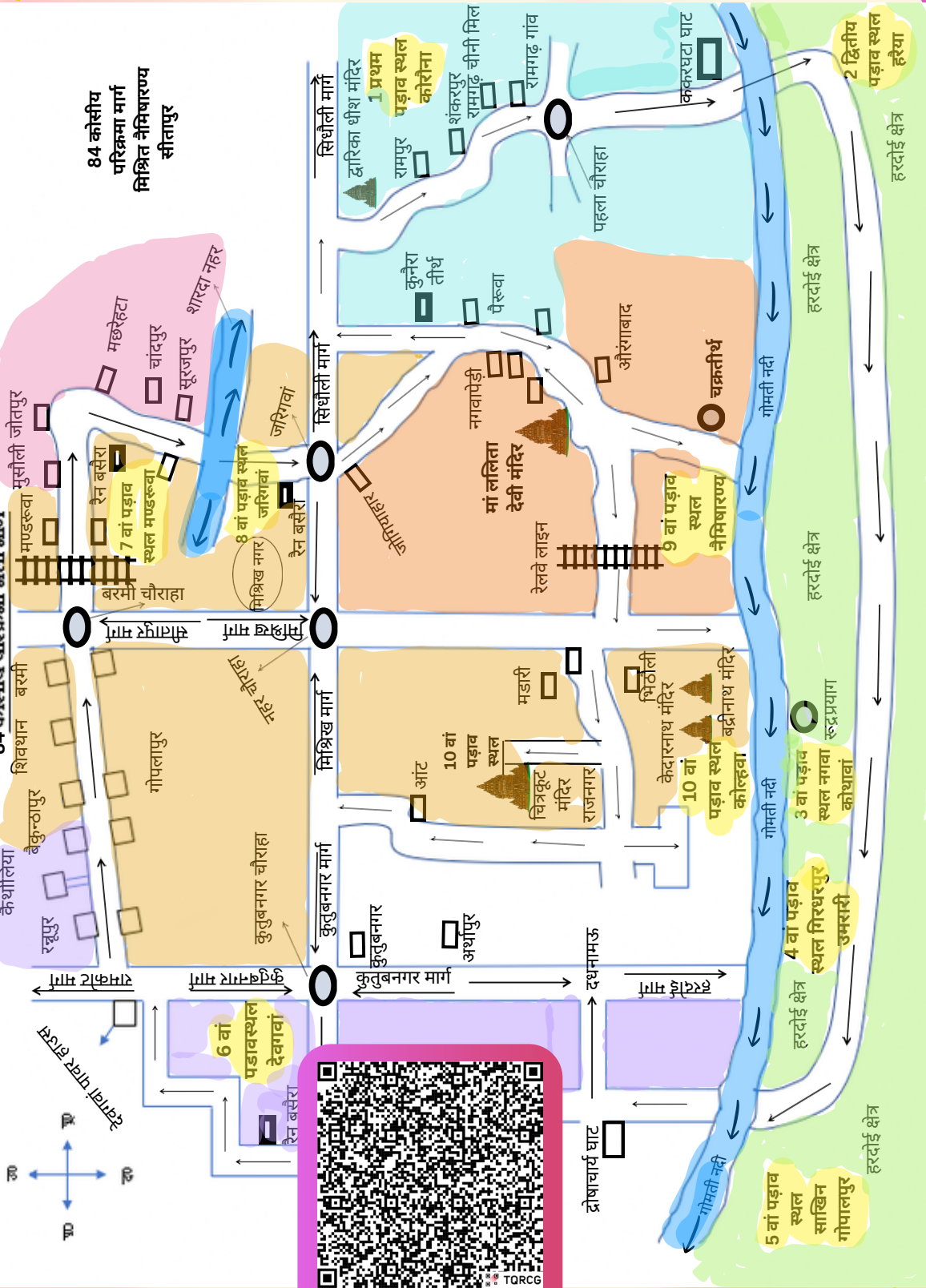
औद्योगिक प्रगति

10.03.2026  
उद्योग सम्मलेन  
12 बजे से



## 84 कोसीय परिक्रमा नेता मार्ग

84 कोसीय  
परिक्रमा मार्ग  
मिश्रित नैमिषारण्य  
सीतापुर



अधिक जानकारी हेतु स्कैन करे

सौजन्य से:

